साहित्यसुधा
साहित्यकारों की वेबपत्रिका
साहित्यकारों की रचना स्थली
वर्ष: 3, अंक 45, सितम्बर(द्वितीय) , 2018

डॉ० रिक लिंडल द्वारा रचित अंग्रेजी पुस्तक 'The Purpose' के हिंदी अनुवाद का अगला भाग

लेखक - डॉ० रिक लिंडल
अनुवादक - डॉ० अनिल चड्डा

अध्याय 8

...गतांक से आगे

सर्वश्रेष्ठ नाट्यशाला

वृद्ध आत्मा ने कहा, "यह मेरे कई शौकों में से एक है. धरती पर जीवन के नाटक की नाट्यशाला देखना मुझे हमेशा दिलचस्प लगता है. मेरे लिये, यह वैसा ही है जैसे तुम बैठ कर टीवी पर एक धारावाहिक देखते हो. यहाँ आध्यात्मिक आयाम में, मैं अपना टीवी चालू कर लेता हूँ और तुम्हारे भौतिक संसार को देखता हूँ. मैं तुम्हारे जीवन को देख सकता हूँ - और किसी के भी - सर्वोत्कृष्ट धारावाहिक में प्रकट होते हुए जैसे कि मैं संसार पर तुम्हारी विशिष्ट पकड़ को तुम्हारी आँखों के माध्यम से देख रहा होऊं. फिर मैं चैनल बदल सकता हूँ और तुम्हारे मित्रों का विशष्ट परिदृश्य देख सकता हूँ, जैसे वह जीवन को अपनी आँखों से देखते हैं, और ऐसे ही, प्रत्येक व्यक्ति के लिये. अपना ध्यान एक व्यक्ति से दूसरे व्यकित की ओर ले जाने के अतिरिक्त - जैसा कि तुम रेडियो पर करते हो, ताकि अलग-अलग स्टेशन

पकड़ सको जो एक ही समय में प्रसारित किये जा रहे हों - मैं उन चैनलों को भी पकड़ सकता हूँ जो मुझे विकसित सामंजस्य के पहलुओं को देखने देते हैं, क्योंकि यह घटनाओं को समय के साथ जोड़ते हैं. इस तरीके से, मैं सभी धारावाहिकों को देख सकता हूँ जब वह एक ख़ास परिवार के सदस्यों पर, रिश्तेदारों और मित्रों के बीच, विस्तृत परिवारों में, और ऊपर चल कर जातीय समूहों में, संस्कृतियों में, देशों में, और सम्पूर्ण विश्व में प्रकट होते हैं. तुम देखते हो, इन सभी स्तरों पर और सभी घटनाओं में, जो प्रत्येक स्तर पर होती हैं, एक सर्वोत्कृष्ट सामंजस्य का विकास हो रहा है. मैं इन सभी घटनाओं की परतों को देख सकता हूँ जब वह इकट्टे हो कर जीवन की नदी बनाती हैं जैसे ही यह धरती पर प्रकट होती है.

"बेशक, स्थान/समय के आयाम से बाहर होने से, मैं 'तेजी से आगे' जा सकता हूँ और देख सकता हूँ कि भविष्य में क्या हो सकता है - और मैं 'पीछे भी जा सकता हूँ' और देख सकता हूँ कि कैसे अतीत में घटी घटनाओं ने एक-दूसरे के ऊपर परत बना कर, जो धरती पर हुआ है उसका इतिहास बनाया है. मैं तुम्हारा भाविष्य ठीक तरह से तो नहीं जान सकता, लेकिन मैं विहंगमावलोकन कर सकता हूँ, भौतिक संसार की सीमा और इसमें तुम्हारी स्वतंत्र इच्छा को जानते हुए कि कैसे तुम्हारे चुनावों पर निर्भर होते हुए तुम्हारा जीवनकाल अपनी तह खोलेगा. छोटे-मोटे निर्णय जो तुम रोजमर्रा के जीवन में लोगे वह तुम्हारे जीवन को नहीं बदलेगें, लेकिन मेरी दिलचस्पी उसमें है जो तुम्हारे प्रमुख निर्णयों और दीर्घकालीन लक्ष्यों पर आधारित संभावित मार्ग तुम्हारा जीवन पकड़ेगा, और मैं उन्हें देखने के लिये ज्यादा समय व्यतीत करता हूँ, विशेषकर जिनसे तुम संबंधित हो. और जब तुम्हारा नाटकीय ड्रामा तुम्हारे जीवनकाल के अंत में समाप्त होता है, तब तुम आध्यात्मिक आयाम में घर लौटोगे और यहाँ बैठोगे जहाँ मैं बैठा हूँ, और जीवन के नाटक की तहें खुलते हुए देखोगे, जब तक कि एक दिन तुम उनमें से एक नाटक में फिर से भाग लेने के लिये न कूद पड़ो, अपनी आंतरिक प्रकृति के बारे में कुछ नया जानने के लिये, दूसरे जीवनकाल के दौरान."

“वह कमाल का है. इसका अर्थ सही निकलता है, जब तुम इस तरह से वर्णन करते हो.”

वृद्ध आत्मा खड़ी हो गई, “तुम्हारे पास अब अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिये बुनियादी जानकारी है. अगले कुछ महीनों में, और वास्तव में अगले कुछ वर्षों में, तुम इस जानकारी को पूर्ण रूप से आत्मसात कर लोगे जब तुम रोजमर्रा की परिस्थितियों का सामना करोगे जो तुम्हे यह बतायेंगी कि इन बुनियादी अवधारणाओं को दिमाग में रखना क्यों महत्वपूर्ण है.”

रिक्की खड़ा हो गया, वृद्ध आत्मा का धन्यवाद किया, और जाने के लिये मुड़ा. जैसा कि पिछले अवसरों पर हुआ था, उसे महसूस हुआ जैसे वह एक छेद में से धरती के आयाम की ओर खिंचा चला गया हो. कुछ भी समय व्यतीत नहीं हुआ था, जैसा कि पिछली बार हुआ था. उसकी हाथ की घड़ी ने बिल्कुल वही समय दिखाया जो उस वक्त था जब वह पहाड़ी में घुसा था. रिक्की बैठ गया और दृश्य को देखने लगा, झाड़ी घाटी नदी के ऊपर और क्षितित में दूर कुछ पहाड़ों पर. हवा असाधारण रूप से शांत थी. भूमि में बहुत उर्जा और गतिविधियाँ थीं. एक हल्की सी हवा उसके पास से निकली और उसने एक ताज़ी हवा के झोंके का आनन्द उठाया जो हीथर और उत्तरी ध्रुव के फूलों की सुंगंध से भरी हुई थी. चिड़ियों को हीथर में चहचहाते हुए सुना जा सकता था, जबकि दूसरी चिड़ियाँ इधर-उधर फडफडा रहीं थी. अनुभव सांस रोकने वाला था, रिक्की अपने-आप को गौरान्वित महसूस कर रहा था कि वह जिन्दा था जब उसने फार्म की ओर पैदल चलना शुरू किया.

अपने फार्म पर लौटते हुए, रिक्की को एहसास हुआ कि, वृद्ध आत्मा के साथ इन मुलाकातों के माध्यम से, उसके पास अब लगभग उन सभी प्रक्रियाओं का सम्पूर्ण सैद्धांतिक ढांचा था जिन्हें एक आत्मा के पास धरती पर जीवनकाल बिताने के लिये होना चाहिये. सोचने के लिये बहुत कुछ था. आज का भावना पर पाठ, उसने जो कुछ पिछली बार सीखा था उसमें जुड़ गया था और उसे भावनाओं की प्रकृति की

झलक प्रदान करता था और जब वह उत्पन्न होती थीं तो उनसे बेहतर तरीके से कैसे निपटा जा सकता था.

उसने अपने-आप में सोचा: वृद्ध आत्मा का ब्रहमांड का और हम नश्वरों का, जो धरती पर रह रहे हैं, अत्यंत विशाल अवलोकन कुछ और ही है. मैं किसी दिन उसके पास बैठने का इंतजार करूँगा. फिर, मैं शायद दुबारा यहाँ नीचे वापिस आना चाहूँगा और एक और जीवनकाल जीना चाहूँगा. मुझे यहाँ होना अच्छा लगता है. यह जानकर बड़ा अच्छा लगा कि मैं जितनी बार भी चाहूँ वापिस आ सकता हूँ. इसी जीवन में सब कुछ पा लेना आवश्यक नहीं है, मैं समझता हूँ!

जब रिक्की फार्म पर पहुंचा, तो केल्विन और सिग्गी पहले ही भेड़ों के कुछ बाड़ों को दुरुस्त कर के लौट चुके थे. जैसे ही वह दोपहर की काफी के लिये बैठे, सभी के कान वृद्ध आत्मा के संदेश को सुनने के लिये रिक्की पर लगे हुए थे.

केल्विन ने, घोड़े की पीठ पर पहली बार बैठने से थकान और पीड़ा में, टिप्पणी की, “मेरी टाँगे इस तरह से तनी रहने की आदि नहीं हैं. मुझे नहीं लगता कि मैं फिर से चल पाऊंगा.”

सिग्गी ने, मजाक में, उससे कहा, “जब तुम मेज पर से खड़े होगे तो मैं तुम्हारे लिये ठेला ले आऊँगा.”

केल्विन ने पूछा, “हीथर की पहाड़ी पर क्या हुआ? क्या तुम्हे वृद्ध आत्मा मिली?”

रिक्की, जो एक अत्यंत कठोर दिन के पश्चात कुछ व्यग्र सा महसूस कर रहा था, हिचकिचाते हुए मुस्कराया और बोला, “हमने बहुत सारी चीजों के बारे में बात की, और मैंने बहुत कुछ सीखा, लेकिन मुझे पहले कुछ देर की नींद चाहिये इससे पहले कि मैं तुम्हे इस बारे में बता सकूँ”

रिक्की दोपहर की चाय पर कुछ खामोश ही रहा. कुछ समय बाद उसी दिन, रिक्की और केल्विन रिकिविक गये, जहाँ रिक्की के पिता ने खुली बाहों से उनका स्वागत किया. उसके पिता ने कुछ महीनों पहले यह अफवाहें सुनी थी कि रिक्की समलैंगिक था, और उसे इसको स्वीकार करना पहले तो मुश्किल लगा था, लेकिन इस मामले के बारे में अपनी पत्नी से बातचीत करने के बाद, जो समलैंगिक जीवनशैली से परिचित थी, वह इस स्थिति को स्वीकार कर पाया था.

कुछ हप्तों के बाद, रिक्की और केल्विन इंगलैंड वापिस लौट आये, जहाँ उन्होंने विश्वविद्यालय में अपनी पढाई फिर से शुरू कर दी. अपने खाली समय में, रिक्की एक स्थानीय मनोरोग सम्बन्धी हस्पताल में काम करता था जहाँ वह मनोरोग संबंधी प्रशिक्षकों को समूह मनोचिकित्सा की तकनीकों में प्रशिक्षण देता था. वह समय अच्छा था. बहुत सारी शामें स्थानीय पबों पर बियर के पिंट पी कर और अपने साथी विद्यार्थियों के साथ बातचीत करके व्यतीत होती थी. मछली और चिप्स के गर्मागर्म परोसे, अखबार में लिपटे हुए, भूरे सिरके के छिड़काव के साथ, और एक सहयोगी व्यंजन और लुगदिदार मटर पब से घर पैदल लौटते हुए ले जाना रोजाना का काम हो गया था. रिक्की प्रेम में पड़ा हुआ था और एक पुरुष मित्र के साथ जीवन में पहली बार रह रहा था.

यॉर्क शहर की संस्कृति गहन है, और सबसे पुराना भाग रोमन पत्थर की किलानुमा दीवार से घिरा हुआ था जिसने पुराने शहर के ज्यादातर भाग को घेरा हुआ था. पुराने घरों में भूत दिखना आम बात है, और एक सम्पूर्ण रोमन फ़ौज को एक बार यॉर्क मिन्स्टर के तहखाने की दीवारों से जाते हुए एक कारीगर ने देखा था जो मरम्मत कर रहा था. पत्थर की सड़कों के साथ बहुत सारे पैदल चलने के रास्ते हैं जो बहुत ही मद्दम रौशनी से रौशन हैं. उस पतझड़ में, जोहन लेनन की मृत्यु के अगले वर्ष, महिला विद्यार्थियों को, जो अपने-आप जल्दी शाम को जंगली गलियों में से निकलती थीं, कोई चुपके से पीछे से आ कर सिर पर चोट मारता था और झाड़ियों में खींच कर ले जाता था. विश्वविद्यालय परिसर में भय छा गया, और महिला छात्रों ने घर जाते समय बाइसिकल चलाते समय हेलमेट पहनने शुरू कर

दिये. पीटर सूतक्लिफ्फे को, जो यॉर्कशायर रिप्पर के नाम से जाना जाता था, कुछ महीनों के बाद, जनवरी 1981 में, कैद कर लिया गया और उसे तेरह औरतों की हत्या करने के लिये और सात दूसरी औरतों को आक्रमण करने के बाद मरने के लिये छोड़ देने के लिये आपराधी घोषित किया गया. लेकिन, महिला विद्यार्थियों में डर बना ही रहा क्योंकि एक व्यापक विश्वास था कि यॉर्कशायर रिप्पर का एक साथी भी था जो कभी नहीं पकड़ा जा सका.

रिक्की अक्सर मनन करता था कि वृद्ध आत्मा ने कहा था कि कोई भी आकस्मिक मृत्यु नहीं होती. क्या जोहन लेनन, और साथ ही साथ इन महिलाओं, ने अपनी हत्या करवाने के लिये चुनाव किया था? वृद्ध आत्मा के आध्यात्मिक अस्तित्ववाद के इस पहलु को पूरी तरह से समझ पाना बहुत मुश्किल था, उस सन्दर्भ में जो वृद्ध आत्मा ने उसे आत्माओं को अपनी आंतरिक प्रकृति को जानने के लिये भावनात्मक अनुभवों की रचना करने की आवश्यकता के बारे में बताया था. यहाँ से और आगे, भौतिक संसार में, यद्दपि, इसे स्वीकार करना समझ के बाहर था कि कोई ऐसी मृत्यु के लिये इच्छा करेगा. निश्चित ही दूसरे, कम हिंसात्मक, तरीके होंगे जिनसे एक आत्मा के विकास के लिये भावनात्मक अनुभव रचित हो सकते हैं? तब फिर से, सदियों से हत्याएं हो रही हैं, और युद्धों में बहुत सारे लोगों की हत्या नृशंस तरीकों से की जाती है.

रिक्की और केल्विन एक-दूसरे के लिये बहुत उपयुक्त थे, और उनका सम्बन्ध कुछ वर्षों के लिये अच्छा रहा था. उन्होंने ने अपनी डिग्री पूरी कर ली; रिक्की ने जेल सेवाओं में मनोवैज्ञानिक के रूप में काम करना शुरू कर दिया, जबकि केल्विन ने आहार विशेषज्ञ बनने के लिये स्नातकोत्तर उपाधि का अनुसरण किया. परन्तु, केल्विन की पढाई में विद्यार्थी/अध्ययन स्थापन के कारण उन्हें बहुधा बिछुड़ना पड़ता था, क्योंकि उसे इंग्लैंड के कई क्षेत्रों में कई सप्ताहों तक जाना पड़ता था. यह अलगाव दिल के दर्द, आंसुओं, और रेलगाड़ी के स्टेशनों पर पीड़ादायक अलगाव से नमूदार थे, जिसने उनके सम्बन्ध में तनाव ला दिया था. केल्विन, अंततः, अपने

अध्ययन से थक गया, और अपनी उपाधि पूरी करने के बाद उसने उस पेशे को छोड़ने का निर्णय लिया.

तालाब के आसपास घास हरी-भरी लग रही थी, और, क्योंकि रिक्की ने इंग्लैंड छोड़ने से पहले कनाडा की नागरिकता ले ली थी, उसके पास कनाडा लौटने का अवसर था. उसने वहां जाने का निर्णय लिया. परन्तु, इस निर्णय ने एक और हृदयविदारक बिछोह की मांग की, इस वास्तविकता से संयोजित कि केल्विन को अपने पिता के पास रहना था, जो कैंसर के कारण मर रहा था. यह पृथक्करण पूरे एक वर्ष के लिये रहा, और फोन वार्तालाप के अतिरिक्त, रिक्की केल्विन के लिये इस दुःखभरे समय में उपस्थित नहीं रह पाया था. सम्बन्ध में तनाव के कारण उनकी अंतरंगता में तोड़-फोड़ होनी शुरू हो गई. अपने पृथक्करण के दौरान वह एक खुले सम्बन्ध के लिये सहमत हो गये, यद्दपि उन्होंने इस प्रावधान का कभी इस्तेमाल नहीं किया.

केल्विन अंततः अपने पिता की मृत्यु के बाद अप्रवासी हैसियत ले कर कनाडा पहुँच गया. उन्होंने घर बनाने के लिये गंभीर प्रयास किये - एक नया घर और तीन कुत्ते परिवार के भाग बन गये. लेकिन इस उतार-चढ़ाव से सम्बन्ध बच नहीं पाया. कुछ वर्षों के बाद, खुले सम्बन्ध को खत्म करने की असफल कोशिशों के बाद, टूटा हुआ विश्वास और यौन इर्ष्या जोर पकड़ने लगे जैसे-जैसे प्रेम की लौ धीमी पड़ती गई और अंततः बुझ गई. सम्बन्ध आठ वर्षों तक चला. यह परियों की कथा जैसा रोमांस था जो कहावत के रूप में सात साल की खुजली थी. परन्तु, थोड़े समय के पृथक्करण के बाद, रिक्की और केल्विन फिर से परिचित हो गये और जीवनभर की मित्रता की शुरुआत की.

रिक्की अक्सर वृद्ध आत्मा के बारे में सोचता था - और उस मार्गदर्शन के बारे में जो उसने प्रदान किया था. दो अस्तित्वों का आध्यात्मिक दर्शन - एक धरती पर और दूसरा आध्यात्मिक आयाम में - जीवन की पहुँच को विस्तृत करता हुआ प्रतीत होता था. मृत्यु केवल एक यात्रा की समाप्ति थी जिसकी रूप-रेखा तुमने स्वयं

बनाई थी ताकि तुम अपनी आंतरिक प्रकृति के बारे में जान सको और आध्यात्मिक रूप से विकसित हो सको.

यह जानते हुए कि तुम जानते-बूझते जीवन में प्रवेश करते हो ताकि तुम अपने बारे में कुछ जान सको, जीवन को एक उद्देश्य देता है. तुम्हारा अस्तित्व एक बेतरतीब घटना नहीं थी, और तुम धरती पर अपनी इच्छा के विरुद्ध भी नहीं भेजे गये थे. तुमने वास्तव में कल्पना की, अध्ययन किया, और इस अवसर के लिये तैयार हुए. इस आयाम से बाहर होने के नजरिये ने और धरती पर जीवन के बहाव ने तुम्हे अपने जीवनकाल के बारे में कुछ सामान्य योजनायें बनाने दी कि किस तरह से तुम्हारा जीवनकाल खुलेगा, इससे पहले कि तुम अपनी यात्रा के लिये प्रस्थान करो. एक बार जब तुम निकल पड़े, तो यह तुम्हारी स्वतंत्र इच्छा थी कि जो कुछ तुम चाहते हो उसके लिये कैसे कोशिश करो, उन सीमाओं के भीतर रह कर जो तुमने निर्धारित की थी. और तुम रास्ते में अपने मार्ग को ठीक कर सकते थे और उन नियत घटनाओं को अपने मार्ग में स्थापित कर सकते जो यह सुनिश्चित करें कि तुम अपने लक्ष्यों को पा सको. तुम्हारी केवल यही जिम्मेदारी थी कि अपनी विशिष्टता को संसार में धकेलो और अपने अस्तित्व के लिये क्षमाशील मत हो. बाकी सब चीजें उसी में से निकलेगी.

वृद्ध आत्मा ने रिक्की को कुछ सामान्य विचार दिए थे जो इसके बारे में थेकि यह सब कैसे हुआ था और कैसे हम भौतिक संसार को अपने शरीर के माध्यम से देखते हुए अनुभव करते हैं, और कैसे हम अपनी आत्मा की विशिष्टता, अवचेतन अवस्थाओं, भावनाओं, लक्ष्यों, स्वतंत्र इच्छा, नियति, और मूल आस्थाओं, की अस्थिर पारस्परिक क्रियाओं से, जो हमारे सारे जीवनकाल में अनुभवों को रूप देते हैं, अनुभवों की रचना करते हैं.

यह मनुष्य के अस्तित्व के लिये आध्यात्मिक/अस्तित्ववादी ढांचा रिक्की के मनोचिकित्सा पद्धति का मंच बन गया, जब उसने कई वर्षों तक स्वास्थ्य-सम्बन्धी संस्थानों में काम किया और बाद में एड्स महामारी पीड़ितों के लिये, जैसा कि वृद्ध

आत्मा ने भविष्यवाणी की थी. उसने अपने निजी अभ्यास में उत्कृष्ट किया, जहाँ उसने पूर्व-जन्म और जीवन-के-बीच-जीवन में लौटने की तकनीकों में विशेज्ञता हासिल की, जैसा कि वृद्ध आत्मा ने भविष्यवाणी की थी कि वह करेगा.

कृपया रचनाकार को मेल भेज कर अपने विचारों से अवगत करायें